सत्यमेव जयते

पंचदश

बिहार विधान-सभा

अष्टम् सत्र

अल्प-सूचित प्रश्न

वर्ग-2

मंगलवार, तिथि $\frac{\text{21 फाल्गुन, 1934 (श0)}}{\text{12 मार्च, 2013 (ई0)}}$

प्रश्नों की कुल संख्या 03

(1) शिक्षा विभाग	..	..	03
		कुल योग ..	03

नियुक्त करना

30. श्री अवधेश कुमार राय—क्या मंत्री, शिक्षा (उ० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि प्रदेश में वर्ष 2003 के बाद से व्याख्याता की नियुक्ति नहीं होने के कारण 25000 पी०एच०डी० डिग्रीधारक बेरोजगार हैं तथा उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार पी०एच०डी० डिग्रीधारकों को डिग्री कॉलेजों एवं इंटर कॉलेजों में व्याख्याता/शिक्षक के रूप में नियुक्त करने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

31. डॉ० अच्युतानन्द—दैनिक समाचार–पत्र के दिनांक 22 दिसम्बर, 2012 के अंक में छपी खबर "उत्तर पुस्तिका की छपाई में घोटाला" शीर्षक के आलोक में क्या मंत्री, शिक्षा (उ०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2003 में इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं की छपाई में गलत तरीके से 43 लाख रुपये का अधिक भुगतान प्रेस को इंटरमीडिएट कांउसिल के तत्कालीन अध्यक्ष एवं अपर सचिव के द्वारा किया गया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि वित्तीय वर्ष 2001–02 में 5 करोड़ रुपया एवं 2003–04 में 4 करोड़ रुपया बिना बजट पास कराये इंटरमीडिएट कांउसिल के अध्यक्ष के द्वारा खर्च किया गया जो घोर वित्तीय अनियमितता है ;

(3) क्या यह बात सही है कि सरकार द्वारा गठित कमिटी द्वारा उपरोक्त घोटाले को सही करार देते हुए सरकार से दोषियों पर कार्रवाई करने की अनुशंसा की है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार दोषियों पर कौन–सी कार्रवाई कबतक करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

चालू कराना

32. श्री कृष्ण कुमार ऋषि—हिन्दी दैनिक समाचार–पत्र में दिनांक 4 दिसम्बर, 2012 को प्रकाशित "दर्जनों विद्यालयों में वर्षों बाद भी नहीं बना शौचालय" शीर्षक को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिलान्तर्गत जानकीनगर के प्राथमिक विद्यालय, चोपड़ा, रामनगर, सहुरिया के प्राथमिक विद्यालय, शिवराम मिलक सहित दर्जनों प्राथमिक, नव–सृजित एवं मध्य विद्यालयों में शौचालय निर्मित तो है परन्तु चालू हालत में नहीं है तथा कहीं–कहीं तो जीर्ण–शीर्ण अवस्था में है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त विद्यालयों में शौचालय को चालू कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 12 मार्च, 2013 (ई०)।

फूल झा,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान–सभा।

बि०स०मु० (एल०ए०), 248—डी०टी०पी०—450